History

हण्टर शिक्षा आयोग - (1882-1883) - प्रथम भारतीय शिक्षा आयोग था।
Hunter Education Commission (1882-1883) - was the first Indian Education Commission.

⇒ अध्यक्ष :- W.W. Hunter Chairperson :- W.W. Hunter

⇒ सदस्य संख्या :- अध्यक्ष के अलावा 20 सदस्य थे जिनमें से 8 भारतीय सदस्य थे। Number of members :- Apart from the president, there were 20 members out of which 8 were Indian members.

गवर्नर जनरल :- रिपन Governor General :- Ripon

हण्टर कमीशन की रिपोर्ट में प्राथमिक शिक्षा के विकास पर जोर दिया गया था।
↳ मातृभाषा पर जोर।
In the report of Hunter Commission emphasis was given on development of primary education.

⇒ हण्टर कमीशन के बाद भारत में 1882 में पंजाब विश्वविद्यालय तथा 1887 को प्रयागराज विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

rojgar with ankit

रैले कमीशन 1902 - Raleigh Commission 1902

↳ 1902 ई० में सर टामस रैले की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय आयोग की स्थापना की गई। In 1902, the University Commission was established under the chairmanship of Sir Thomas Raleigh.

भारतीय सदस्य :- सैयद हुसैन बिलग्रामी, जस्टिस गुरुदास बनर्जी
Indian members: Syed Hussain Bilgrami, Justice Gurudas Banerjee

उद्देश्य :- विश्वविद्यालयों की स्थिति की समीक्षा करना तथा उनके संविधान तथा कार्यशैली में सुझाव देना।
Objective :- To review the status of universities and give suggestions regarding their Constitution and working style.

⇒ प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को इस आयोग को परिधि से दूर रखा गया है। Primary and Secondary education were kept out of the purview of this Commission.

⇒ भारतीय विश्व० अधिनियम 1904 में पारित किया गया। Imp.
The Indian University Act was passed in 1904.

⇒ कृषि विभाग तथा पुरातत्व विभाग की स्थापना कर्जन के शासनकाल में हुई थी। Imp.

The Department of Agriculture and the Department of Archaeology were established during the reign of Curzon

⇒ अंग्रेजी सरकार से निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा की मांग सर्वप्रथम गोपाल कृष्ण गोखले ने की थी। Imp

Gopal Krishna Gokhale was the first to demand free primary education from the British government.

सैडलर आयोग :- 1917 ई० Sadler Commission-1917 AD

Imp. ⇒ सैडलर आयोग के सदस्यों में दो भारतीय सर आशुतोष मुखर्जी व जियाउद्दीन अहमद। Among the members of the Sadler Commission were two Indian members, Sir Ashutosh Mukherjee and Ziauddin Ahmed.

⇒ सैडलर आयोग का विचार था अगर विश्व० की शिक्षा में सुधार करना है तो माध्यमिक शिक्षा का सुधार आवश्यक है। The Sadler Commission was of the view that if the university has to improve education, then improvement of Secondary education is essential.

सिफारिश :- 12 वर्ष की स्कूल शिक्षा व इण्टरमीडिएट परीक्षा के बाद विश्व० में प्रवेश हो

➡ विश्व० से पृथक इण्टरमीडिएट कॉलेज हो तथा इनकी परीक्षाओं के संचालन के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का गठन हो।
There should be separate intermediate Colleges from the University and a Secondary education board should be formed to Conduct their examinations.

➡ स्नातक पाठ्यक्रम 3 वर्ष का हो।
The graduation Course should be of 3 years.

➡ महिला शिक्षा के लिए महिला शिक्षा प्रसार बोर्ड बनाने की मांग सर्वप्रथम सैडलर आयोग ने की थी। The demand for forming a Mahila Shiksha Prasar Board for women's education was first made by the Sadler Commission

हार्टोग समिति :- 1929 ई० Hartog Committee - 1929 AD

➡ प्राथमिक शिक्षा पर बल तथा इसे अनिवार्य करने की निंदा की गयी थी।
Emphasis on primary education and making it Compulsory was Condemned.

⇒ ग्रामीण छात्रों को मिडिल स्कूल तक की शिक्षा देने के बाद कॉलेज में प्रवेश के स्थान पर उन्हें व्यावसायिक एवं औद्योगिक शिक्षा प्रदान की जाए।
Instead of giving admission to College to rural students after giving them education up to middle School, they should be given Vocational and indystrial education.

मौलिक शिक्षा की वर्धा योजना : 1937
Wardha Scheme of Elementary Education : 1937

⇒ शिक्षा की वर्धा योजना का ब्यौरा डा० जाकिर हुसैन समिति ने प्रस्तुत किया। The details of Wardha Scheme of Education were presented by Dr. Zakir Husain Committee.

सार्जेण्ट योजना - 1944 ई० Sargent Plan - 1944 AD

⇒ देश में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल स्थापित किये जाये। Primary and Secondary Schools should be established in the Country.

⇒ 6 से 11 वर्ष तक के बच्चे को निः शुल्क व आनवार्य शिक्षा। Free and Compulsory education for Children between 6 and 11 years.

⇒ 11 से 17 वर्ष तक 6 वर्ष तक अतिरिक्त शिक्षा की व्यवस्था हो।
There should be provision for additional education for 6 years from 11 to 17 years

⇒ एकेडमिक व व्यावसायिक शिक्षा के लिए दो प्रकार के विद्यालय हो।
There should be two type of Schools for academic and Vocational education.

* राधाकृष्णा आयोग :- 1948 - 1949 Radhakrishna Commission 1948 - 1949

imp.

↳ शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल करने का सुझाव सर्वप्रथम राधाकृष्णा आयोग ने दिया था।
The Suggestion to include education in the Concurrent list was first given by the Radhakrishna Commission

⇒ राधाकृष्णा आयोग की सिफारिशों के आधार पर सर्वपुथम 1953 विश्व० अनुदान आयोग का गठन किया गया On the basis of the recommendations of the Radhakrishnan Commission, the first University Grants Commission was formed in 1953.

imp.

कोठारी आयोग - 1964 Kothari Commission – 1964

⇒ नई शिक्षा नीति - 1986 New Education policy - 1986

⇒ 1986 ई० में नई शिक्षा नीति कोठारी आयोग की सिफारिशों पर लागू की गई थी। In 1986, the new education policy was implemented on the recommendations of the Kothari Commission.

⇒ प्रमुख उद्देश्य :- "सबके लिए शिक्षा" imp.
Main objective Education for all

ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड :- 1986 की नई शिक्षा नीति के तहत प्राथमिक विद्यालयों को दी जाने वाली न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं की व्याख्या।

Operation Black Board :- Explaining the minimum necessary facilities to be provided to primary schools under the new education policy of 1986.

⇒ स्कूल चलो अभियान की शुरुआत - 2000
School Chalo Abhiyan started - 2006 imp.

⇒ सर्वप्रथम बड़ौदा रियासत ने 1906 में निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा लागू की थी।

rojgar with ankit

Baroda State was the first State to implement free and Compulsory education in 1906